व्या- (व्याव-) वीसरा. वियाय, जन्म आपे (सं.विजायते) व्याइ शंगामं. प्रस्ताने व्याफ उक्तिर. वाउ. चामडीमां फाट पडवी ते, वाढिया (सं.विपादिका) व्याख्यान चित्तसं. वर्णन, कोई विषयनं विस्तारथी करेलुं प्रतिपादन [सं.] ***व्याघ [*व्याध]** *मदमो*. ढेड; जुओ व्याध, व्याधी **व्याध** अखाका. प्रेमाका. व्याधि, पीडा व्याध प्रेमाका. शिकारी; जुओ व्याघ व्याधी प्रेमाका. व्याध, पारधी व्याध्य अखाका. व्याधि व्याध्यं *कादं(शा). वध्यं, [गाढुं थयं] (सं.वर्धितम्) व्याध्यं *कादं(शा). [भेद्यं] [सं.व्याधित] **व्याप** *ऐतिरा*. फेलावो [सं.] **व्यापति ***गुर्जरा. व्यापार, व्यवसाय, कर्म, प्रवृत्ति] [सं.व्यापृति] व्यापार आरारा. लावल. कामकाज, प्रवृत्ति, कामगीरी; विमप्र. वेपार (सं.) व्यापारी कांद(शा). विमप्र. वेपारी (सं.) व्यापारण यडाबा. वापरवं ते (सं.) **व्याप्तमान** *दशस्कं(१)*. व्याप्त व्यारीज उक्तिर. छेतर्यो (सं.विप्रतारितः) **व्याळ** *दशस्कं(१). प्रेमाका*. सर्प [सं.व्याल] व्यालउ प्राचीफा. प्राचीसं. सांजनुं भोजन, वाळु (सं.विकालिक) व्याव- जुओ व्या-

थ्यास *विक्ररा*. कथाकार [सं.] व्यासणउ व्यासणउ उक्तिर. बेसणुं, बे वखत आसने बेसी जमवानं व्रत (सं. द्वयासनकम्) व्याह वीसरा. विवाह, लग्न **व्याहणउ** गूर्जरा. वहाणुं, सवार (सं. विभानकम्) वियंतर लितरा. व्यंतर, भूत **ब्युतरे** प्राचीका. ऊतरे (सं.ब्युत्तरति) **युत्सजं** यडाबा. छोडुं, विसर्जुं (सं.व्युत्सज्) **व्यणा** *चंद्रवा*. कपास [दे.वउणी]; जुओ वुंण व्येद जुओ वेद **व्येष** जुओ वरव्येष व्रख कामा(शा). वृक्ष; जुओ वरख, वर्ख वखा मटमो वर्षा व्रखारत प्राचीका. वर्षाऋतुः जुओ ब्रखारते व्रज आरारा. समुदाय (सं.) व्रणव- सिंहा(म). वर्णववुं व्रत मदमो. *नक्की, [*स्थिति, *होवुं ते] **ब्रत्यं ***दशस्कं(२). [आजीविका] [सं. वृत्ति] व्रथ मदमो. वृथा व्रथा जुओ वृथा **व्रध** अखाछ. मदमो. वृद्धि, वधारो **ब्रध** *प्रेमाका*. वृद्ध, [वडील, मोटेरो] **ब्रधा** चंद्रवा. वृद्ध व्रय- प्राचीसं. वापरवुं, खर्चवुं (सं.व्यय्) ब्रह नंदब. प्राचीफा. सिंह(शा). विरह, वियोग

व्यावर जिनरा. प्रसूति [रा.]